[20/12/2024]

प्रश्न सं. [क्र. 111]

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

पर्यावरण परिसर, ई–5, अरेरा कालोनी, भोपाल–462016

☎ (0755) 2464428, 2466191 , E-mail: bmwhomppcb@gmail.com,

LiFE Lifestyle For Environment

परिशिष्ट-'अ'

तारांकित प्रश्न क्रमांक 111 द्वारा

माननीय विधायक श्री मनोज नारायण सिंह चौधरी

कार्यालय नगर पालिक निगम देवास से प्राप्त जानकारी

देवास शहर के 02 बड़े नाले नागधम्मन एवं मेंढकी नाला जो की क्षिप्रा नदी तक पहुँचते हैं। जिनकी जानकारी निम्नानुसार है :-

01. नागधम्मन :- नागधम्मन नाले के प्रदूषित जल को शुद्धिकरण किये जाने हेतु 22 एमएलडी एसटीपी प्लांट के समीप 10 एमएलडी इंटेकवेल का निर्माण किया जा रहा है। जिसके दूषित जल को शुद्धिकरण करने हेतु 22 एमएलडी एसटीपी प्लांट से जोड़ा जावेगा। उक्त कार्य हेतु राशि रू. 157.78 लाख कार्य का कार्यादेश जारी किया जाकर लगभग 20 से 25 प्रतिशत कार्य कर लिया गया है। वर्तमान में कार्य प्रचलित ।

02. मेंढकी नाला :- मेढकी क्षेत्र का एक कच्चा नाला क्षिप्रा नदी तक पहुँचता है। उक्त नाले का पानी नदी तक पहुँचने से पूर्व ही सूख जाता है तथा कृषकों एवं ईंट के भट्टा संचालकों द्वारा उपयोग में भी ले लिया जाता है। उक्त पानी क्षिप्रा नदी तक नहीं मिलता है। परंतु भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए उक्त मेंढकी नाले पर लगभग राशि रू. 4.00 करोड़ की लागत से स्टापडेम एवं इंटेकवेल निर्माण की योजना शासन को स्वीकृति हेतु भेजी गई है।

नोट :- देवास शहर से निकलने वाला दूषित जल (प्रदूषित पानी) नालों के माध्यम से शिप्रा नदी में मिलने से पहले उक्त सीवरेज जल के शुद्धिकरण हेतु ट्रीटमेंट प्लांटों एवं सीवर लाइन हेतु शासन की अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि रू. 5778.78 लाख की निविदा आमंत्रित की गई है। कार्यवाही प्रचलन में है।

हस्ता. /-
कार्यपालन यंत्री (परि.),
नगर पालिक निगम.
देवास(म.प्र.)

अनुभाग अधिकारी
पर्यावरण विभाग
मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)

विनय रमैया
उपयंत्री